सिम्बायसिस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुणे
द्वितीय वर्ष कला–हिन्दी सामान्य (अभ्यास मंडल द्वारा स्वीकृत)
विषयः हिन्दी–प्रस्तावित अभ्यासक्रम
सत्र–3, सत्र–4
(2020–21, 2021–22, 2022–23)

उददे्शः

1. छात्रों को हिन्दी के साहित्यकारों से परिचित कराना ।
2. छात्रों को हिन्दी की विभिन्न विधाओ से परिचित कराना ।
3. छात्रों को विज्ञान, अनुवाद, भेटवार्ता, साक्षात्कार पत्रकारिता आदि हिन्दी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित कराना।
4. हिन्दी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना, कथा, कविता और साहित्य की विभिन्न विधाओं पर लेखन के लिये प्रेरित करना ।

अध्यापन पध्दतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी देना।
3. छात्रो के साथ साहित्य की विभिन्न विधाओं पर चर्चा करना।

सिम्बायसिस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुणे
द्वितीय वर्ष कला–हिन्दी सामान्य (अभ्यास मंडल द्वारा स्वीकृत)
विषयः हिन्दी–प्रस्तावित अभ्यासक्रम साहित्य विविधा
(2020–21, 2021–22, 2022–23)

सत्र–3

1. नया साल – अमृतराय (निबंध)
2. जमनोत्री की यात्रा – विष्णु प्रभाकर (यात्रा वर्णन)
3. हरिया काका– दीप्ती गुप्ता (रेखा चित्र)
4. महात्मा गांधी– रामकुमार वर्मा (संस्मरण)
5. मैं अज्ञेय से मिला– पद्मसिंह शर्मा कमलेश (इंटरव्यू)
6. आवाज की नीलाम– धर्मवीर भारती (एकांकी)
7. भोलराम का जीव– हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)
8. अपना अपना भाग्य– जैनेंद्र कुमार (कहानी)
9. अग्नि–पथ– मालती जोशी (कहानी)
10. सद्गति– प्रेमचंद (कहानी)

<u>पाठयपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम</u>

1. वाक्यशुध्दीकरण
2. परिभाषिक शब्दावली
3. साक्षात्कार लेखन
4. हिन्दी इंटरनेट की जानकारी

सिम्बायसिस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुणे
द्वितीय वर्ष कला–हिन्दी सामान्य (अभ्यास मंडल द्वारा स्वीकृत)
विषयः हिन्दी–प्रस्तावित अभ्यासक्रम
(2020–21, 2021–22, 2022–23)

सत्र–4
साहित्य सौरभ

1. पुरुष हो, पुरुर्षाथ करो – मैथिलीशरण गुप्त
2. उनको प्रणाम – नागार्जुन
3. कर्मवीर– अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔघ'
4. चेतना दीप– महादेवी वर्मा
5. प्रतिभा का मूल बिंदु– प्रभाकर माचवे
6. अकाल–दर्शन– धूमिल
7. मैंने कब कहा– सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
8. गजल– रामदरश मिश्र
9. स्नेह निर्झर बह गया है। सूर्यकांत त्रिपाटी 'निराला'
10. शोक सभा– रघुवीर सहाय

पाठयपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम

1. पत्रकारिता–अर्थ और परिघि, महत्त्व, बदलता रुप, स्वतंत्र पत्रकारिता, सृजनात्मक लेखन
2. वाक्य शुध्दीकरण (वर्तनी के अनुसार)
3. हिन्दी के गणितीय चिह्न तथा आंकडों का देवनागरी में लेखन

सिम्बायसिस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुणे
द्वितीय वर्ष कला–हिन्दी सामान्य (अभ्यास मंडल द्वारा स्वीकृत)
विषयः हिन्दी–प्रस्तावित अभ्यासक्रम
(2020–21, 2021–22, 2022–23)

सत्र–3

प्रश्नपत्र का स्वरुप :

1. वाक्य शुध्दीकरण (4 में से 3)	03
2. परिभाषिक शब्दावली (4 में से 3)	03
3. साक्षात्कार लेखन (2 में से 1)	04
4. इंन्टरनेट (2 में से 1)	04
5. ससंदर्भ व्याख्या (4 में से 2)	06
6. लघुत्तरी प्रश्न (5मे से 4)	20
7. दीर्घोत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	20
कुल अंक	60

सिम्बायसिस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुणे
द्वितीय वर्ष कला–हिन्दी सामान्य (अभ्यास मंडल द्वारा स्वीकृत)
विषयः हिन्दी–प्रस्तावित अभ्यासक्रम
(2020–21, 2021–22, 2022–23)

सत्र–4

प्रश्नपत्रिका स्वरुप

1. वाक्य शुध्दीकरण	–	03
2. परिभाषिक शब्दावली	–	03
3. पत्रिकारिता	–	04
4. अंकगणितीय आंकडे और देवनागरी चिन्ह	–	04
5. ससंदर्भ व्याख्या (4 में से 2)		06
6. लघुत्तरी प्रश्न (5मे से 4)		20
7. दीर्घोत्तरी प्रश्न (3 में से 2)		20
	कुल अंक	60

व्याख्यान स्वरुप

हर सत्र में साहित्यिक विधाओं जैसे कहानी, कविता, गद्य की विभिन्न विधाये, आधुनिक काव्य, निबंध और खंड काव्य के दस–दस पाठ है।

1 पाठ के लिये 4 व्याख्यान की आवश्यकता है ।

10 पाठ के लिये 10 x 4 =	44 व्याख्यान
पाठ्योत्तर अभ्यासक्रम के लिये–	10 व्याख्यान
कुल व्याख्यान	54 व्याख्यान